(GI-1, GI-2+4, GI-3, GI-5+6 & VDI-1, VI-1, SI-1)
DATE: 14.08.2020 MAXIMUM MARKS: 100 TIMING: 3¼ Hours

PAPER : AUDITING

DIVISION – A (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

QUESTIONS (1-20) CARRY 1 MARK EACH

1. Ans. b
2. Ans. c
3. Ans. a
4. Ans. d
5. Ans. c
6. Ans. d
7. Ans. d
8. Ans. d
9. Ans. b
10. Ans. d
11. Ans. c
12. Ans. b
13. Ans. a
14. Ans. d
15. Ans. b
16. Ans. c
17. Ans. d
18. Ans. c
19. Ans. d
20. Ans. b

QUESTIONS (21-25) CARRY 2 MARKS EACH

21. Ans. b
22. Ans. c
23. Ans. d
24. Ans. c
25. Ans. b

DIVISION B-DESCRIPTIVE QUESTIONS
QUESTION NO. 1 IS COMPULSORY
ATTEMPT ANY FOUR QUESTIONS FROM THE REST

Answer 1:

Examine with reasons (in short) whether the following statements are correct or incorrect : (Attempt any 7 out of 8)

(i) **गलतः–** ''स्वेट इक्विटी शेयर'' का अर्थ है कंपनी द्वारा कर्मचारियों या निदेशकों को छूट पर या विचार के लिए नकद के अलावा अन्य जानकारी के लिए जारी किए गए इक्विटी शेयर या बौद्धिक संपदा अधिकार या मूल्य परिवर्धन की प्रकृति में उपलब्ध अधिकार प्रदान करना, जो भी नाम से हो बुलाया।

(ii) **गलतः**– यदि कंपनी X की बैलेंस शीट '100 लाख की राशि के साथ भवन दिखाती है, तो ऑडिटर यह मान लेगा कि प्रबंधन ने दावा किया है कि उसका दावा किया गया है:

- Exists बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त इमारत अवधि–अंत (अस्तित्व का दावा) के अनुसार मौजूद है
- कंपनी X ऐसी इमारत (अधिकार और दायित्व दावे) का मालिक है और उसे नियंत्रित करता है
- भवन को माप सिद्धांतों (वैल्यूएशन दावे) के अनुसार सटीक रूप से महत्व दिया गया है

(iii) **गलतः–** कंपनी द्वारा प्रतिभूति प्रीमियम खाता लागू किया जा सकता हैः
- (a) पूरी तरह से भुगतान किए गए बोनस शेयरों के रूप में कंपनी के सदस्यों को कंपनी के अप्रकाशित शेयरों के मुद्दे की औरः
- (b) कंपनी के प्रारंभिक खर्चों को लिखित रूप में
- (c) कंपनी के शेयरों या डिबेंचर के किसी भी मुद्दे पर ओफ के खर्च, या कमीशन का भुगतान या छूट की अनुमति दी गई है
- (d) कंपनी के किसी भी रिडीजेबल वरीयता शेयरों या किसी भी डिबेंचर के मोचन पर देय प्रीमियम के लिए प्रदान करने में या
- (e) धारा 68 के तहत अपने स्वयं के शेयरों या अन्य प्रतिभूतियों की खरीद के लिए।

(iv) **गलतः–** अंकेक्षक, अंकेक्षण रिपोर्ट में अपनी राय अधिकृत करेगा जबः
- (a) लेखा परीक्षक यह निष्कर्ष निकालता हैं, कि लेखा परीक्षण के सबूतों की प्राप्ति के आधार पर वित्तीय विवरण पूरी तरह से भौतिक गलतियों से मुक्त नहीं है।

(v) **सहीः–** लेखा परीक्षक अपनी बहुत बुरी राय व्यक्त करेगा, जब लेखाा परीक्षक पर्याप्त तथा उपयुक्त लेखा सबूतों को प्राप्त कर लेगा, गलतियों से निष्कर्ष निकाल लेगा, व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से दोनों ही सामग्री वित्तीय विवरणों के लिए उपयुक्त है।

(vi) **गलतः–** अंकेक्षक को इस धारणा से नहीं जाना चाहिए, कि सिस्टम द्वारा बनाई गई जानकारी सही है और बिना सबूत के आधार पर भरोसा किया जा सकता है, जो दर्शाता है कि प्रणाली द्वारा संचालित जानकारी लागू और लागू होने के समय के लिए आवश्यक मानदण्डों की वैधता पर आधारित है।

(vii) **गलतः–** दूसरी और न्यायसंगत बंधक, केवल कर्मो या सुरक्षा के निर्माण के इरादे से शीर्षक के अन्य दस्तावेजों के वितरण से प्रभावित होता है।

(viii) **सत्यः–** उपयुक्तता अंकेक्षण के अनुसार अंकेक्षक अनुचित दशाओं, अपरिहार्यताओं, निष्फल व्ययों चाहे वे व्यय समबन्धित नियमों तथा अनियमों की सीमाओं के अन्तर्गत ही उपगत व्यय क्यों न हों, को खोजने का प्रयत्न करता है।

{One Mark for Correct or Incorrect and 1 Mark for Explanation}

Answer 2:

(a) दावा इस प्रकार है :

(1) फर्म संयंत्र और मशीनरी का मालिक है,
(2) संयंत्र और मशीनरी की ऐतिहासिक लागत रुपये 2 लाख है, **{1 M}**

(3) संयंत्र और मशीनरी शारीरिक रूप से मौजूद है,
(4) सम्पत्ति का उत्पादक रूप से कम्पनी के कारोबार में उपयोग किया जा रहा है, **{1 M}**

(5) इस परिसम्पत्ति पर मूल्यह्रास का कुल प्रभार रुपये 83,000 है, जिस पर रुपये 13,000 वर्ष से संबंधित हैं, जिसमें से खाते तैयार किए जाते हैं, तथा **{1 M}**

(6) मूल्यह्रास की मात्रा को मान्यता प्राप्त आधार पर गणना की गई है और गणना सही है। **{1 M}**

Answer:

(b) अंकेक्षण कार्यक्रम के लाभ तथा हानि

एक अंकेक्षण कार्यक्रम के फायदे हैंः

- (a) यह सहायक को सामान्यतः काम करने के निर्देशों के कुल और स्पष्ट सेट के साथ अंकेक्षण को पूरा करता है।
- (b) विशेष रूप से प्रमुख अंकेक्षण के लिए यह आवश्यक है कि काम करने के लिए किए जाने वाले काम का एक पूरा दृष्टिकोण प्रदान करें।
- (c) क्षमता के आधार पर नौकरियों के लिए सहायकों का चयन आसान हो जाता हैं, जब काम तर्कसंगत रूप से योजनाबद्ध, स्पष्ट और पृथक हों।
- (d) एक लिखित और पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के बिना कुछ 'मानसिक' योजना के आधार पर काम जरूरी है ऐसी स्थिति में हमेशा कुछ पुस्तकों और रिकॉर्डो को अनदेखा करने या देखने का खतरा रहता है। एक अच्छी तरह से तैयार किए गए कार्यक्रम के तहत, खतरें सिरे से कम है और अंकेक्षण व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ सकती है।

{Any 8 Points Each 1/2 Mark}

(e) सहायकों, कार्यक्रम पर अपने हस्ताक्षर डालने के द्वारा, व्यक्तिगत रूप से उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करते है और यदि आवश्यक हों, तो काम करने का काम सहायक को वापस किया जा सकता है।

(f) प्रिंसिपल पूरा काम के लिये नौकरियों को नियुक्त सहायकों द्वारा शुरू की गई अंकेक्षण कार्यक्रमों की परीक्षा से हाथ में विभिन्न अंकेक्षण की प्रगति को नियंत्रित कर सकता है।

(g) यह आगामी वर्ष में किए जाने वाले अंकेक्षण के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करता है।

(h) एक उचित रूप से तैयार अंकेक्षण लेखा परीक्षक के खिलाफ लापरवाही के किसी भी आरोप की स्थिति में साक्ष्य के रूप में कार्य करता है। यह स्थापित करने में काफी मूल्य हो सकता है कि उसने उचित कौशल और देखभाल का प्रयोग किया जो पेशेवर लेखा परीक्षक से अप्रेक्षित था।

Answer:

(c) यद्यपि लिखित अभ्यावेदन आवश्यक अंकेक्षण के साक्ष्य प्रदान करते हैं, वे किसी भी ऐसे मामलों के बारे में स्वयं प्रभावी एवं उपयुक्त अंकेक्षण प्रमाण प्रदान नहीं करते हैं जिसके साथ वे सौदा करते हैं। इसके अलावा, यह तथ्य कि प्रबंधन ने विश्वसनीय लिखित अभ्यावेदन प्रदान किए हैं, वह अन्य अंकेक्षण प्रमाणों की प्रकृति को प्रभावित नहीं करते जो अंकेक्षक प्रबंधन की जिम्मेदारियों को पूरा करने या विशिष्ट तर्को के बारे में प्राप्त करता है। **{2 M}**

दी गई समस्या के लिए उपरोक्त आवेदन के बाद, लेखा परीक्षक द्वारा कम्पनी द्वारा आयोजित वित्त पोषित जमाओं के समर्थन में बैंकर की प्रमाणिकता प्रदान करने के लिए अनुरोध करेंगे। **{1 M}**

Answer:

(d) मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय करने की इकाई की प्रक्रिया की समझ प्राप्त करें इकाई द्वारा बनाए गए निश्चित सम्पत्ति रजिस्टर प्राप्त करें हमेशा एक जोखिम होता है कि किसी संस्था को अपने लाभ को कम करने के लिए आय और व्यय वक्तव्य में अपने लाभ या व्यय पूँजी व्यय को सीधे बढ़ने के लिए राजस्व प्रकृति का खर्च पूँजी कर सकता है। इस जोखिम को दूर करने के लिए, लेखा परीक्षक निश्चित सम्पत्ति रजिस्टर से सम्पति की प्रकृति की जाँच कर सकते हैं और आगे, एक जोखिम हमेशा होता है कि नकली सम्पत्ति को पूस्तकों मे पूँजीकृत किया गया है और इस जोखिम को कम करने के लिए कम से कम लेखा परीक्षकों को शारीरिक रूप से अचल सम्पत्तियों की पुष्टि करनी चाहिए। **{1 M}**

अधिकृत व्यक्ति से उचित अनुमोदन के साथ सभी अतिरिक्त/विलोपन की सूची प्राप्त करें।

स्थायी परिसम्पति रजिस्टर से सम्पत्ति का नमूना चुनें, भौतिक विचारों पर और मूल्यह्रास, मूल्यह्रास की गणना की दर को सत्यापित करें।

- प्रबंधन द्वारा पहचाने गए सभी घटकों की सूची प्राप्त करे।
- इस अवधि के दौरान पेटेंट, साख प्रतिलिप्याधिकार, कॉपी अधिकारों जैसी अमूर्त सम्पतियाँ सुनिश्चित की जा रही है।
- सुनिश्चित करें कि मूल्य का उपयोग करने के लिए तैयार होने पर उस तिथि से सम्पत्ति पर मूल्यह्रास लगाया जाता है।
- आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार मूल्यह्रास की गणना कि कम्पनी अधिनियम के अनुसार अतिरिक्त जोड़ो और लेखा परीक्षा के लिए खोलने वाले डब्लूडीवी को लेखा परीक्षा के तहत पिछलें वर्ष के पूर्व मूल्यांकन वर्ष के लिए मिला है।
- मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय की समग्र तर्क संगतता के रूप में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएँ करें और अभिलेखों की अंकगणितीय संटीकता की जाँच करें और स्वतंत्र गणना उदाहरण–गणना करें या वर्ष के लिए मूल्यह्रास व्यय को फिर से गणना करें (उस प्रारूप का संदर्भ लें जिसका उपयोग नीचे के लिए किया जा सकता है वर्ष के लिए व्यय की उचितंता संकलन)।

{Any 4 Points Each 1/2 Mark}

Answer 3:

(a) (1) **विज्ञापन व्ययः**

(i) विज्ञापन एजेंसी से बिलों/चालानों की पुष्टि करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न प्रकार के विज्ञापन के लिए शुल्क दरें अनुबंध के अनुसार हैं। **{1 M}**

(ii) देखें कि विज्ञापन ग्राहक के व्यवसाय से संबंधित है।

(iii) एजेंसी द्वारा जारी रसीद का निरीक्षण करें।

(iv) व्यय की प्रकृति का पता लगाएं – राजस्व या पूंजीगत व्यय और देखें कि यह ठीक से दर्ज किया गया है। **{1 M}**

(v) उस अवधि का पता लगाएं, जिसके लिए भुगतान किया गया है और देखें कि प्रीपेड राशि, यदि कोई हो, बैलेंस शीट पर ले जाए। **{1 M}**

(vi) देखें कि सभी बकाया विज्ञापन बिल प्रदान किए गए हैं।

(2) **स्क्रैप की बिक्रीः**

(i) आंतरिक नियंत्रण की समीक्षा करें जैसा कि सृजन, भंडारण और स्क्रैप के निपटान के संबंध में है।

(ii) जाँच करें कि संगठन स्क्रैप की पीढ़ी के लिए उचित रिकॉर्ड बनाए हुए है या नहीं।

(iii) स्क्रैप के कच्चे माल, उत्पादन और उत्पादन पैटर्न का विश्लेषण करें और इसकी तुलना पहले वर्ष के figures से करें।

(iv) उन दरों की जाँच करें जिस पर स्क्रैप बेचा गया है और पिछले वर्ष की तुलना में दर की तुलना करें।

(v) वाउच की बिक्री, चालान के साथ, निविदा के लिए विज्ञापन, स्क्रैप डीलरों के साथ दर अनुबंध। **{Any 6 Points Each 1/2 Mark}**

(vi) सुनिश्चित करें कि स्क्रैप और अच्छी इकाइयों की पहचान करने के लिए एक उचित नियंत्रण प्रक्रिया मौजूद है और उन्हें मिश्रित नहीं किया जाता है और स्क्रैप के रूप में बेचा जाता है।

(vii) स्क्रैप से प्राप्ति के मूल्य का समग्र मूल्यांकन करें।

Answer:

(b) लेखा परीक्षक के उद्देश्य–स्पष्ट और उचित संशोधित राय व्यक्त करने के लिए

लेखांकन मानक 705 के अनुसार ''स्वतन्त्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में राय में संशोधन'' लेखा परीक्षक का उद्देश्य वित्तीय विवरणों पर, जो आवश्यक हैं, स्पष्ट और उचित संशोधित राय व्यक्त करना होता हैं, जब– **{2 M}**

(a) ऑडिटर यह निष्कर्ष निकालता हैं, कि प्राप्त लेखा परीक्षण साक्ष्यों के आधार पर वित्तीय विवरण पूरी तरह से भौतिक गलतियों से मुक्त है।

(b) लेखा परीक्षक यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त तथा उचित लेखा परीक्षण सबूत जुटाने में असमर्थ है, कि वित्तीय विवरण पूरी तरह भौतिक गलतियों से मुक्त है। **{2 M}**

Answer:

(c) जब सम्बन्धित आंकड़े प्रस्तुत होते हैं, तब केवल निम्नलिखित परिस्थितियों को छोड़कर लेखा परीक्षक की राय सम्बधित आँकड़ों के सन्दर्भ में नहीं होगी–

(1) यदि पूर्व की अवधि पर लेखा परीक्षा की रिपार्ट जैसी कि पहले निर्गमित की जा चुकी हैं, योग्य राय, विपरीत राय और राय के अस्वीकरण को सम्मिलित करती है और वह मामले जो अनसुलझे बदलावों को जन्म देते हैं, उन्हें भी सम्मिलित करती है। लेखा परीक्षक वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षक की राय को संशोधित करेगा, ऑडिटर की रिपोर्ट में संशोधित पैराग्राफ के आधार पर ऑडिटर होगा या तोः **{2 M}**

(a) वर्तमान अवधि के भौतिक आँकड़ो पर प्रभाव या संभावित प्रभाव के मामले में संशोधन को जन्म देने के मामले में वर्तमान अवधि के आँकड़े और सम्बन्धित आँकड़े दोनों सन्दर्भ में है।

(b) अन्य स्थितियों में, समझायें कि वर्तमान अवधि मे आँकड़ों और सम्बन्धित आँकड़ों की तुलनात्मक पर अनसुलझे मामलों के प्रभाव या संभावित प्रभाव के कारण लेखा परीक्षक की राय कों संशोधित किया गया है।

(2) यदि लेखा परीक्षक लेखा परीक्षक साक्ष्य प्राप्त करता हैं, कि पहले के वित्तीय विवरणों में एक भौतिक गलती मौजूद हैं, जिस पर एक अनाधिकृत राय पहले जारी की गई हैं, लेखा परीक्षक यह सत्यापित करेंगे, कि क्या गलत विवरण लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अन्तर्गत आवश्यकता अनुसार पेश किये गये हैं और यदि ऐसा नहीं हैं, तो लेखा परीक्षक वर्तमान अवधि के वित्तीय ववरणों (संशोधित) पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में योग्य या विपरीत राय व्यक्त करेगा। **{1 M}**

(3) पूर्व अवधि के वित्तीय विवरण जिनका अंकेक्षण नही हुआ– यदि पूर्व अवधि के वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण नहीं हुआ तो लेखा परीक्षक ऑडिटर की रिपोर्ट के पैराग्राफ के अन्य मामलों में बताऐंगे कि सम्बन्धित अवधि के आँकड़ों का लेखा परीक्षण नहीं हुआ है, इस तरह के विवरण हालांकि लेखा परीक्षक को पर्याप्त तथा उचित लेखा परीक्षण साक्ष्य प्राप्त करने की आवश्यकताओं के लिए राहत प्रदान नहीं करते। प्रारम्भिक शेष में वह गलत विवरण सम्मिलित नहीं होते, जो भौतिक रूप से वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों को प्रभावित करते है। **{1 M}**

Answer 4:

(a) कृषि अग्रिम

दिशा–निर्देशों के अनुसार, कृषि अग्रिम दो प्रकार के हैं,

(1) ''लम्बी अवधि'' फसलों के लिए कृषि अग्रिम और

(2) ''छोटी अवधि'' फसलों के लिए कृषि अग्रिम **{2 M}**

''लम्बी अवधि'' की फसलों के एक वर्ष से अधिक फसलों की फसल होगी और फसलों, जो ''लम्बी अवधि'' नहीं है, को ''लघु अवधि'' फसलों के रूप में माना जाएगा।

प्रत्येक फसल के लिए फसल को मौसम, जिसका मतलब हैं, कि उठाए गए फसलों की कटाई की अवधि प्रत्येक राज्य में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा निर्धारित की जाएगी।

निम्नलिखित एनपीए मानदण्ड कृषि अग्रिमों (क्रॉप अवधि ऋण सहित) पर लागू होगेः **{2 M}**

- अल्प अवधि की फसलों के लिए दी गई ऋण को एनपीए जाएगा, यदि मूलधन या ब्याज की किश्त दो फसलों के मौसमों के लिए अतिदेय रहती हैं औरं,
- लंबी अवधि की फसलों के लिए दी गई ऋण को एनपीए माना जाएगा, यदि एक फसल सीजन के लिए मूलधन या ब्याज की किश्त एक अतिदेय नहीं है।

Answer:

(b) अंकेक्षण में सन्निहित विशिष्ट कदम होंगे :

(1) सत्यापन **(Verify)**

(ए) शो के दौरान सिनेमा हॉल में प्रवेश केवल मुद्रित टिकटों के माध्यम से ही होता है।

(बी) टिकटें क्रमांकित है तथा पुस्तकों में जिल्द बंद है।

(सी) जारी की गई टिकटों के नम्बर प्रत्येक शो तथा श्रेणी के लिए अलग होते हैं, यद्यपि उसी दिन शो के लिए उसी श्रेणी के नम्बर प्रत्येक सप्ताह क्रमानुसार चलते हैं।

(डी) अग्रिम बुकिंग के लिए टिकटों की एक पृथक श्रृंखला जारी की जाती है, तथा

(ई) टिकटों का स्टॉक एक उत्तरदायी अधिकारी के कब्जे मं होता है। **{Any 8 points each 1/2 marks}**

(2) पुष्टि करना कि शो के अन्त में बिक्री टिकटों का एक विवरण तैयार किया जाता है तथा प्राप्त हुई रोकड़ को मिलाकर देखा जाता है।

(3) फ्री पासों का एक रिकॉर्ड रखा जाता है तथा उनको अधिकार के अंतर्गत ही जारी किया जाता है, इसकी पुष्टि करें ।

(4) वसूल हुए मनोरंजन कर की राशि का प्रत्येक श्रेणी के कुल टिकटों की संख्या से मिलान करें।

(5) दैनिक विवरण के हवाले से विभिन्न शो के लिए टिकटों की बिक्री पर वसूल हुई रोकड़ के सम्बन्ध में रोकड़ बही में प्रविष्टियों का प्रमाणन करें जिसकी किये गये विभिन्न शो के लिए निर्गमित टिकटों के रिकॉर्ड के साथ उपर्युक्त तौर से परीक्षण जॉच की जा चुकी है।

(6) विज्ञान स्लाइडो तथा शाट्स के लिए वसूल किये गये प्रभार को सिनेमा में रखे (Register of Slides and Shorts Exhibited) के हवाले से तथा इस संबंध में विज्ञापनकर्ताओं के साथ किये गये समझौतों के संदर्भ में सत्यापित किया जाये।

(7) विज्ञापन, मरम्मत तथा अनुसरण पर किये गये व्ययों का सत्यापन किया जाये। ऐसे व्ययों का कोई भी भाग पूंजीगत न किया जाये सिवाय व्यापक तौर पर साज–सज्जा के व्यय को छोड़कर तथा इसकी आस्थगत आगम व्ययों के रूप में समायोजित किया जाना चाहिए।

(8) पुष्टि करें कि फर्नीचर तथा मशीन पर ह्रास उपयुक्त दर से लगाया गया है, जो ऐसी सम्पत्तियों के संबंध में अन्य व्यवसायों की दशा में लागू होने वाली दरों से कहीं अधिक है।

(9) किराये पर ली गई फिल्मों के भुगतानों को वितरक के बिलों से प्रमाणित करना चाहिए अथवा संबंधित अनुबंधों के संदर्भ में उनका मिलान कर प्रमाणन करना चाहिए।

(10) फिल्म के किराये के संबंध में वितरकों की दी गयी अग्रिम धनराशि के असमायोजित शेषों से जॉचना चाहिए तथा यह देखना चाहिए, कि वे प्राप्त है तथा शोध्य है। यदि ऐसी कोई फिल्म है, जो चल रही है तथा उसके संबंध में भुगतान किया जा चुका है, तो यह देखना चाहिए, कि ऐसे अग्रिमों को अभी तक क्यों समायोजित नहीं किया गया है। प्रबंध से अग्रिमों के संबंध में प्रावधान बनाने के लिए भी सुझाव देना चाहिए, यह प्रावधान उनसे संबंधित होते हैं, जो शोधनीय है।

(11) रेस्टोरेन्ट की आय में भाग के संग्रहण हेतु व्यवसाय की भली प्रकार जॉच–पड़ताल की जानी चाहिये या तो टेकिंग्स (takings) की एक स्थायी राशि या एक स्थायी प्रतिशत वार्षिक तौर पर प्राप्त हो सकता है। उस स्थिति में जबकि रेस्टोरेंट सिनेमा हॉल द्वारा चलाया जा रहा तो इसकी जॉच के लिए खातों की भी जॉच करनी चाहिये। अंकेक्षण में भोज्य पदार्थो को विभिन्न मदों के विक्रय, भोजन पदार्थ के क्रय, शीतल पेय, सिगरेट इत्यादि शामिल किये जाते हैं।

Answer:

(c) कार्यक्रम निर्माण के उद्देश्य के लिए, निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए :

(1) असाइमेंट के दायरे और सीमा के भीतर रहें। **{1 M}**

(2) आवश्यक रूप से उपलब्ध सबूतों को निर्धारित करें और आवश्यक संतुष्टि पाने के लिए सबसे अच्छे प्रमाण की पहचान करें।

(3) केवल उन उपाय और प्रक्रियाओं को लागू करें जो विशिष्ट स्थिति में वास्तविकता के उद्देश्य को पूरा करने में उपयोगी है। **{1 M}**

(4) त्रुटि की सभी संभावनाओं पर विचार करें।

(5) संबंधित वस्तुओं के लिए लागू होने वाली प्रक्रियाओं का समन्वय करना। **{1 M}**

(d) एसए–315 के अनुसार, ''इकाई और इसके पर्यावरण को समझकर माल ढांचे के जोखिम की पहचान करना और मूल्यांकन करना'' लेखा परीक्षक निम्नलिखित की समझ प्राप्त करेगा :

(ए) प्रासंगिक उद्योग, विनियामक और अन्य बाह्य कारक जिनमें लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे शामिल हैं। मांग, क्षमता, उत्पाद और मूल्य प्रतिस्पर्धा के साथ ही चक्रीय या मौसमी गतिविधि सहित प्रतियोगी वातावरण। **{1/2 M}**

(बी) इकाई की प्रकृति, जिसमें शामिल है :

(i) इसके संचालन,

(ii) इसकी स्वामित्व और प्रशासन संरचना,

(iii) संस्था के निर्माण के प्रकार और विशेष प्रयोजन संस्थाओं में निवेश सहित, बनाने की योजना बना रही है, तथा **{1 M}**

(iv) जिस तरह से संस्था संरचित होती है और यह कैसे चलती है,

वित्तीय विवरणों में अपेक्षित होने वाले लेन–देन, खाता शेष राशि और खुलासे को समझने के लिए लेखा परीक्षक को सक्षम करने के लिए।

(सी) इकाई के चयन और लेखांकन नीतियों के आवेदन, इसमें परिवर्तनों के कारणों सहित लेखा परीक्षक यह मूल्यांकन करेगा, कि इकाई की लेखांकन नीतियॉ उसके व्यवसाय के लिए उपयुक्त है और संबंधित उद्योग में प्रयुक्त वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे और लेखा नीतियों के अनुरूप है। **{1/2 M}**

(डी) इकाई के उद्देश्यों और रणनीतियों, और उन संबंधित व्यावसायिक जोखिमों के कारण जो भौतिक गलतफहमी के जोखिम पैदा कर सकते हैं। **{1/2 M}**

(ई) इकाई के वित्तीय प्रदर्शन की माप और समीक्षा। **{1/2 M}**

Answer 5:

(a) यथार्थपूर्वक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया : यथार्थपूर्वक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया आमतौर पर सौदों के बडे परिमाप पर लागू होते है जो अधिक समय तक अनुमानयोग्य होते है। योजनाबद्ध विश्लेषणात्मक प्रक्रिया का उपयोग इस अपेक्षा पर आधारित है कि डाटा के मध्य सम्बन्ध विद्यमान है तथा विपरीत ज्ञात स्थिति के अभाव में जारी रहता है। यद्यपि, एक विशेष विश्लेषणात्मक प्रक्रिया की उपयुक्तता अंकेक्षक की मिथ्या विवरण को खोजने में समीक्षा कितनी प्रभावी है, पर निर्भर होगी जो व्यक्तिगत रूप से अथवा जब अन्य मिथ्या विवरण के साथ योग किया जाता वित्तीय विवरण को सारवान रूप से मिथ्या वर्णित कर सकता है। **{2 M}**

कुछ मामलों में एक गैर आधुनिक अनुमान सूचक मॉडल एक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया के रूप में प्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए, जहां पर एक इकाई की अवधि भर में वेतन की निश्चित दर पर कर्मचारियों की ज्ञात संख्या है, अंकेक्षक के लिए शुद्धता की उच्च डिग्री के साथ अवधि के लिए कुल पे रोल लागत का अनुमान लगाने में इस डाटा का उपयोग करना अंकेक्षक के लिए संभव हो सकता है जो वित्तीय विवरण में महत्वपूर्ण मद के लिए अंकेक्षण साक्ष्य को प्रदान करना तथा पे रोल पर विवरण के परीक्षण की आवश्यकता को कम करना है। वृहत रूप से मान्यता व्यापार अनुपात (जैसे खुदरा इकाइयों के विभिन्न प्रकार का लाभ मार्जिन) को लेखांकित राशि की उचितता के समर्थन में साक्ष्य को प्रदान करने के लिए यथार्थवादी विश्लेषणात्मक प्रक्रिया में प्रभावी रूप से प्रयुक्त किया जा सकता है। **{1 M}**

Answer:

(b) अंकेक्षण की प्रमुख उपयोगिता विश्वसनीय वित्तीय विवरण में है जिसके आधार पर कार्य स्थिति को समझना सरल है। स्पष्ट उपयोगिता के अतिरिक्त, अंकेक्षण के अन्य लाभ है। इनमें से उन पर उधम तथा संस्था जहां पर अंकेक्षण अनिवार्य नहीं है कुछ अथवा सभी काफी मूल्य के है, इनमें से कुछ लाभ को नीचे दिया है :

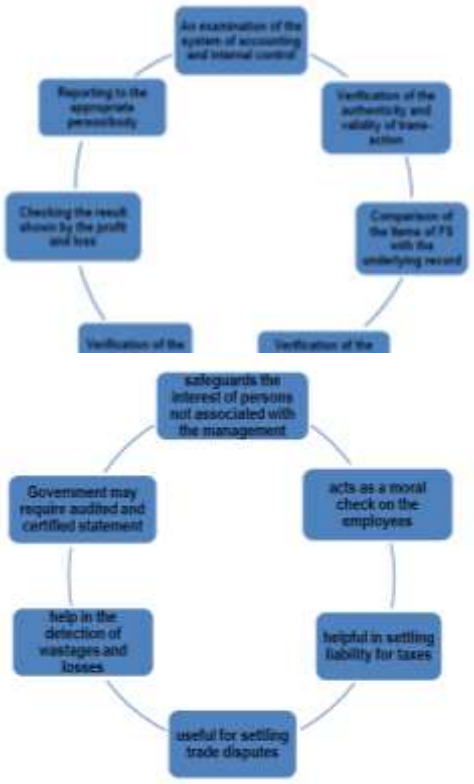

(a) यह इकाई के प्रबंधन के साथ जुडे व्यक्ति का वित्तीय हित का संरक्षण करता है चाहे वे साझेदार है अथवा अंशधारक, बैंकर्स, वित्तीय संस्थान, जनता इत्यादि है।

(b) यह गबन करने के लिए कर्मचारियों पर नैतिक जांच के रूप में कार्यवाही करता है।

(c) लेखा का अंकेक्षित विवरण कर की दायित्व का निपटारा ऋण की सौदेबाजी तथा एक व्यापार के लिए क्रय प्रतिफल के निर्धारण के लिए सहायक है।

(d) यह सम्पत्ति की अग्नि अथवा अन्य आपदा के द्वारा कोई क्षति के सम्बन्ध में तथा उच्च मजदूरी अथवा बोनस के लिए व्यापार विवाद का निपटारा में भी उपयोगी है।

(e) एक अंकेक्षण विभिन्न तरीके जिनसे इनकी जांच की विशेष रूप से वह जो आंतरिक नियंत्रण माप अथवा आंतरिक जांच का अभाव अथवा अपर्याप्तता के कारण को दिखाने के लिए विनिष्ट तथा हानि की खोज में सहायता कर सकता है।

(f) अंकेक्षण ज्ञात करता है क्या लेखा की आवश्यक पुस्तक तथा सहायक रिकार्ड को सही ढंग से रखा है तथा ग्राहक को इस सम्बन्ध में त्रुटियां अथवा अपर्याप्तता को पूरा करने में सहायता करता है।

(g) एक समीक्षा कार्य के रूप में अंकेक्षण संस्था में विभिन्न नियंत्रण की विद्यमानता तथा परिचालन की समीक्षा करता है तथा उनमें कमजोरी, अपर्याप्तता इत्यादि का प्रतिवेदन करता है।

(h) अंकेक्षित खाता साझेदार का प्रवेश अथवा मृत्यु के समय खाता का निपटारा में बहुत सहायक है।

(i) सरकार एक विशेष व्यापार के लिए सहायता अथवा लाइसेंस को जारी करने से पूर्व अंकेक्षित तथा प्रमाणित विवरण की मांग कर सकती है।

{Any 8 points each 1/2 Mark}

Answer:

(c) अंकेक्षक से अंकेक्षण जोखिम को शून्य तक करने की अपेक्षा नहीं की जाती तथा ना ही की जा सकती है तथा इसलिए वित्तीय विवरण से पूर्ण आश्वासन प्राप्त नहीं कर सकता कि वित्तीय विवरण धोखाधडी अथवा त्रुटि के कारण सरवान मिथ्या विवरण से मुक्त विवरण से मुक्त है। ऐसा है कि क्योंकि अंकेक्षण की अंतर्निहित सीमायें हैं। यह एक अंकेक्षण की अर्न्तनिहित परिसीमा के कारण है :

(i) **वित्तीय रिपोर्टिंग की प्रकृति** : वित्तीय विवरण की तैयारी में इकाई की तथ्यों तथा परिस्थितियों का इकाई की लागू वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क की आवश्यकता को लागू करने में प्रबन्धन द्वारा निर्णयन लिप्त है। इसके अतिरिक्त, कई वित्तीय विवरण मदों में विषयपरक निर्णय अथवा समीक्षा अथवा अनिश्चितता की डिग्री लिप्त है तथा स्वीकार्य व्याख्या अथवा निर्णयन की श्रृंखला हो सकती है जिसे किया जा सकता है।

(ii) **अंकेक्षण प्रक्रियाओं की प्रकृति** : अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने की अंकेक्षक की योग्यता पर व्यवहारिक तथा कानूनी सीमा है। उदाहरण के लिए :

1. यह संभावना है कि प्रबंधन अथवा अन्य जानबूझकर अथवा अनजाने में पूर्ण सूचना को प्रदान ना करे जो वित्तीय विवरण की तैयारी तथा प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है अथवा जिसका अनुरोध अंकेक्षक द्वारा किया है।
2. धोखाधडी में उसे छुपाने के लिए अनुरोध अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक डिजाइन योजना लिप्त है। इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य को इकट्ठा करने के लिए प्रयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया एक जानबूझकर मिथ्या विवरण की खोज के लिए अप्रभावी हो सकती है, उदाहरण के लिए प्रपत्रीकरण को असत्य करने के लिए सांठगांठ हो सकती है जो अंकेक्षण को यह विश्वास दिला सकती है कि अंकेक्षण साक्ष्य वैध है जबकि यह है नहीं। अंकेक्षक ना ही प्रशिक्षित ना ही प्रपत्र के प्रमाणीकरण में दक्ष है।
3. एक अंकेक्षण आरोपित गलत करने में एक अधिकारिक अन्वेषण नहीं है, तदानुसार, अंकेक्षक को विशिष्ट कानूनी अधिकार नहीं दिया गया है जैसे खोज का अधिकार जो कि एक अन्वेषण के लिए आवश्यक हो सकता है।

(iii) वित्तीय रिपोर्टिंग की समयबद्धता तथा लाभ तथा लागत के मध्य संतुलन : कठिनाई, समय अथवा लिप्त लागत का मामला स्वयं में अंकेक्षक के लिए अंकेक्षण प्रक्रिया को छोडने का वैध आधार नहीं है जहां पर कोई विकल्प नहीं है।

{Each Point 1 Mark}

उपयुक्त योजना अंकेक्षण का परिचालन के लिए उपलब्ध पर्याप्त समय तथा संसाधन को बनाने में सहायता करते है। इसके बावजूद, सूचना की प्रासंगिकता, तथा इसका मूल्य समय के साथ कम होता है तथा सूचना की विश्वसनीयता तथा इसकी लागत के मध्य संतुलन नहीं है।

(iv) अन्य मामले जो एक अंकेक्षण की सीमा को प्रभावित करते है : कुछ विषय वस्तुओं के मामले में, सारवान मिथ्या विवरण को खोजने की अंकेक्षक की परिसीमा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इस प्रकार का अभिकथन अथवा विषय वस्तु में सम्मिलित है;

- धोखाधडी विशेष रूप से वरिष्ठ प्रबंधन का शामिल होना अथवा सांठगांठ
- संबन्धित पक्ष संबंध तथा सौदे की विद्यमानता तथा पूर्णता
- कानून तथा अधिनियमों का गैर अनुपालन का घटित होना
- भावी घटना अथवा स्थिति जो एक इकाई को चलायमान संस्था को जारी नहीं रखती।

Answer:

(d) एक अंकेक्षण की योजना में एक अंकेक्षण योजना को विकसित करने तथा लिप्तता के लिए सम्पूर्ण अंकेक्षण वयूहरचना को स्थापित करता है

पर्याप्त योजना निम्न सहित कई तरीके में वित्तीय विवरण का अंकेक्षण को लाभ पहुंचाता है :

1. अंकेक्षक को अंकेक्षण का महत्वपूर्ण क्षेत्र का अपयुक्त ध्यान देने में सहायता करते है।
2. अंकेक्षक समयबद्ध आधार पर भावी समस्या की पहचान तथा सुलझाने में सहायता करता है।
3. अंकेक्षक को अंकेक्षण लिप्तता को सही ढंग से व्यवस्थित करने में सहायता करता है ताकि इसे प्रभावी तथा कुशल तरीके में निष्पादित किया जा सके।
4. प्रत्याशित जोखिम के प्रत्युत्तर में सक्षमता तथा सक्षमता का उपयुक्त स्तर के साथ लिप्तता दल सदस्यों का चयन में सहायता करना।
5. लिप्तता दल सदस्यों का निर्देश तथा पर्यवेक्षण का सुलभ करना तथा अपने कार्य की समीक्षा।
6. जहां उपयुक्त हो, अवयवों तथा विशेषज्ञों की अंकेक्षक द्वारा किये गये कार्य के समन्वय में सहायता करना।

{Each Point 1/2 Mark}

Answer 6:

(a) कुछ मामलों में पड़ताल करने की अंकेक्षक का कर्तव्य : अंकेक्षक का निम्न मामलों में पड़ताल करने का कर्तव्य है–

(a) क्या प्रतिभूति के आधार पर कम्पनी द्वारा लिया गया ऋण तथा अग्रिम को उपयुक्त रूप से आरक्षित किया तथा क्या शर्त जिस पर उन्हें किया कम्पनी अथवा इसके सदस्यों के हित का पूर्वाग्रह में है;

(b) क्या कम्पनी का सौदा जिन्हें केवल पुस्तक प्रविष्टि के द्वारा किया है कम्पनी का हितों का पूर्वाग्रह में है;

(c) क्या कम्पनी एक निवेश कम्पनी अथवा बैंकिंग कम्पनी नहीं है, क्या कम्पनी की सम्पत्ति जो अंशों, ऋणपत्र तथा अन्य प्रतिभूति से मिलकर बनी है, को कम्पनी द्वारा क्रय कीमत से कम पर बेचा है;

(d) क्या कम्पनी द्वारा ऋण तथा अग्रिम को जमा के रूप में दिखाया गया है;

(e) क्या व्यक्तिगत व्यय को राजस्व खाता से वसूल किया है;

(f) जहां पर कम्पनी का पुस्तको तथा प्रपत्र में वर्णित किया है कि किसी अंश को नकद के लिए आवंटित किया है, क्या इस प्रकार के आवंटन के सम्बन्ध में नकद को वास्तव में प्राप्त किया तथा यदि नकद को वास्तव में प्राप्त नहीं किया, क्या लेखा पुस्तकों तथा तुलनपत्र में वर्णित स्थिति सही, नियमित है तथा भ्रामक नहीं है।

{Any 4 points 1 Mark Each}

Answer:

(b) धोखाधडी के परिणाम से सारवान मिथ्या विवरण को ना खोजने को जोखिम त्रुटि के परिणाम से ना खोजने की जोखिम से अधिक है। यह इसलिए क्योंकि धोखाधडी ने इसे छुपाने के लिए अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक आयोजित योजना लिप्त होती है जैसे जालसाजी, सौदे को रिकॉर्ड करने में जानबूझकर विफलता अथवा अंकेक्षक को जानबूझकर मिथ्या विवरण करना। छुपाने का इस प्रकार का प्रयास खोजने में ज्यादा कठिन हो सकता है जब सांठगांठ के साथ संलग्न है। सांठगांठ अंकेक्षक को विश्वास दिला सकता है कि अंकेक्षण साक्ष्य व्यापक है जबकि वास्तव में यह असत्य है। एक धोखाधडी को खोजने में अंकेक्षक की **{2 M}**

योग्यता धोखाधडी करने वाली की कुधलता, गड़बड़ी की आवृति तथा हद, लिप्त सांठगाठ की डिग्री, गड़बड़ की गयी व्यक्तिगत राशि का तुलनात्मक आकार तथा लिप्त इन व्यक्तियों की वरीयता पर निर्भर है जबकि अंकेक्षक की जाने वाली धोखाधड़ी की भावी अवसर की पहचान करने में समर्थ हो सकता है, अंकेक्षक के लिए निर्धारित करना कठिन है क्या निर्णय क्षेत्र में मिथ्या विवरण जैसा लेखांकन अनुमान धोखाधडी के कारण है अथवा त्रुटि के कारण है। **{1 M}**

Answer:

(c) **मामला का जोर पैराग्राफ** – अंकेक्षक की रिपोर्ट में सम्मिलित एक पैरा जो वित्तीय विवरण में उपयुक्त रूप से प्रकट अथवा प्रस्तुत एक मामला को संदर्भित किया जो अंकेक्षक का निर्णयन में इस प्रकार का महत्व का है जो वित्तीय विवरण की उपयोगकर्ता की समझ का आधारभूत है। **{1 M}**

अंकेक्षक की रिपोर्ट में मामला का जोर का पैरा

यदि अंकेक्षक उपयोगकर्ता का ध्यान अंकेक्षक के निर्णयन में वित्तीय विवरण में प्रस्तुत अथवा प्रकट मामला की तरफ ध्यान आकर्षित करते हैं, जो इस प्रकार का महत्व है कि यह वित्तीय विवरण की उपयोगकर्ता की समझ का आधारभूत है अंकेक्षक, अंकेक्षक की रिपोर्ट में मामला का जोर पैराग्राफ को सम्मिलित करेगाः– **{1 M}**

(a) अंकेक्षक को मामला का परिणाम के रूप में SA 705 के अनुसार राय का संशोधित करने की आवश्यकता नहीं होगी, तथा

(b) जब SA 701 लागू होता है, मामला का अंकेक्षक की रिपोर्ट में सप्रेषित किये जाने वाले प्रमुख अंकेक्षण मामले के रूप में निर्धारित नहीं किया।

मामला का जोर पैराग्राफ के लिए पृथक खंड

जब अंकेक्षक अंकेक्षक की रिपोर्ट में मामला का जोर पैराग्राफ को सम्मिलित करता है अंकेक्षक : **{2 M}**

(a) उपयुक्त शीर्षक के साथ अंकेक्षक की रिपोर्ट का पृथक खंड के अंदर पैराग्राफ मामला का जोर सम्मिलित है;

(b) पैराग्राफ में जोर दिये जाने वाले मामला का एक स्पष्ट संदर्भ सम्मिलित होगा तथा जहां प्रासंगिक प्रकटीकरण जो मामला को पूर्णतः वर्णित करता है, को वित्तीय विवरण में पाया जा सकता है। पैराग्राफ वित्तीय विवरण में प्रस्तुत अथवा प्रकट सूचना को संदर्भित करेगा; तथा

(c) संकेत देगा कि अंकेक्षक की राय को जोर दिये जाने वाले मामले के सम्बन्ध में संशोधित नहीं किया।

Answer:

(d) **नकद की हेराफेरी** : नकद की हेराफेरी को निम्न तरीका में सामान्यतः पाया जाता है :

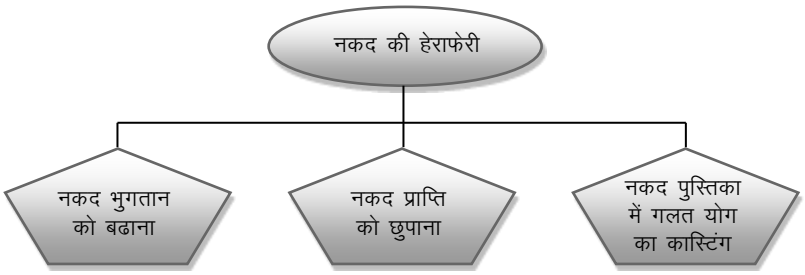

(a) **नकद भुगतान को बढ़ाने के द्वारा**

भुगतान का बढाने का उदाहरणः

(1) कृत्रिम वाउचर्स के विरूद्ध भुगतान करना

(2) वाउचर्स के विरूद्ध भुगतान करना, जिसकी राशि को बढाया गया

(3) मजदूरी तालिका के योग में कृत्रिम श्रमिकों के नाम शामिल करने या अन्य किसी रूप में बढाने के द्वारा हेराफेरी करना।

(4) लघु नकद व्यय का योग की कास्टिंग तथा विस्तृत कॉलम का योग का आधिक्य में समायोजन करने ताकि क्रॉस योग मेल को दिखाता है।

{Any 2 points 1/2 Mark Each}

(b) **नगद प्राप्ति को छुपाने के द्वारा**

रसीदें कैसे दबा दी जाती है इसकी कुछ तकनीक है:

(1) Teeming and Lading : एक ग्राहक से प्राप्त राशि जिसे गबन किया, तथा साथ में एक अन्य ग्राहक से प्राप्त धन की खोज को रोकने के लिए ग्राहक जिसने पहले भुगतान किया ग्राहक का खाते से क्रेडिट किया तथा उसके पश्चात् द्वितीय ग्राहक के खाता में क्रेडिट किया तथा इस प्रकार की प्रेक्टिस को जारी किया ताकि कोई भी खाता समय की अवधि के लिए भुगतान के लिए अदत है, जो प्रबन्धन या तो उसे खाता का विवरण को भेजता है अथवा उसे संप्रेषण किया।

(2) गैर प्राधिकृत अथवा कृत्रिम छूट, भत्ता, कटौती इत्यादि का ग्राहक का खाता में समायोजन करना तथा उसके द्वारा भुगतान राशि का गबन।

(3) इसके शेष के सम्बन्ध में ऋण का अपलेखन जिसके विरूद्ध नकद को पहले से प्राप्त किया परन्तु गबन किया गया।

(4) नकद बिक्री का पूर्ण रूप से लेखांकन नहीं करना।

(5) विविध प्राप्ति के लिए लेखांकन नहीं उदाहरणतः स्क्रेप की बिक्री, कर्मचारियों को आबंटित आवास इत्यादि

(6) सम्पूर्ण रूप में सम्पत्ति का अपलेखन, उसे बाद में बेचना तथा राशि का गबन।

{Any 2 points 1/2 Mark Each}

(c) नकद पुस्तिका में गलत योग की कॉस्टिंग **{1 M}**

__**__